

घबराना पुं. (देश.) 1. व्याकुल करना, अधीर करना, शांति भंग करना 2. भौंचक्का करना 3. जल्दी में डालना, हड़बड़ी में डालना 4. डरना।

घबराहट स्त्री. (देश.) व्याकुलता, अधीरता 2. किंकर्तव्यविमूढ़ता 3. हड़बड़ी, उतावलापन।

घमंका पुं. (तत्.) 'घम' की ध्वनि करना 2. घूँसा 3. मुष्टि का प्रहार 2. वह प्रहार जिसके पड़ने से 'घम' की ध्वनि हो।

घमंड पुं. (देश.) अभिमान, गह्वर, अहंकार, गर्व मुहा. घमंड पर आना या होना- अभिमान करना; घमंड निकलना- गर्व चूर्ण होना; घमंड टूटना- मानध्वस्त होना।

घमंडी वि. (देश.) अहंकारी, अभिमानी, मगरूरी।

घमक पुं. (अनु.) घम-घम की आवाज़, गंभीर ध्वनि।

घमकना पुं. (अनु.) घम घम या और किसी प्रकार का गंभीर शब्द होना 2. ऐसी चोट या आघात जिससे घम की आवाज़ हो।

घमका पुं. (अनु.) प्रहार का शब्द, चोट की आवाज़, आघात की ध्वनि।

घमाई स्त्री. (देश.) बाँस के पौधे का एक ऐसा रोग जिसके हो जाने पर बाँस के नए कल्ले नहीं निकलते, घमाई रोग।

घमखोर पुं. (हि.धाम+फा.खोर) घाम खानेवाला, वह जो धूप में रह सके।

घमर पुं. (अनु.) नगाड़े ढोल आदि का भारी शब्द, गंभीर ध्वनि।

घमरा पुं. (देश.) भृंगराज नामक बूटी, भँगरा, भँगरैया।

घमरौल स्त्री. (देश.) हल्ला-गुल्ला, ऊधम, गड़बड़, घोटाला 2. अव्यवस्था 3. भीड़भाड़।

घमसा पुं. (देश.) 1. वह गरमी जो अधिक धूप और हवा रुकने के कारण होती है, धूप की गरमी, उमस 2. घनापन, सघनता, आधिक्य।

घमसान वि./पुं. (अनु.) भयंकर युद्ध, घोर रण, गहरी लड़ाई, धमासान।

घमाघम क्रि.वि. (तत्.) 1. घम-घम की ध्वनि 2. धूमधाम, चहल-पहल 3. भारी आघात का शब्द, मारपीट।

घमाघमी स्त्री. (अनु.) दे. घमाघम 2. मारपीट।

घमाना अ.क्रि. (देश.) घाम लेना, सरदी हटाने के लिए धूप में बैठना 2. धूप खाना 3. स.क्रि. फल आदि का घाम लगवाकर पीला होना, धूप से सेकना।

घमायल वि. (देश.) घाम की गरमी से पका हुआ, घाम के प्रभाव से युक्त, प्रायः फल के लिए प्रयुक्त।

घमोय स्त्री. (देश.) एक छोटा पौधा जो गोभी की तरह होता है, टि. इसके पत्ते कटावदार तथा काँटे भरे होते हैं, इसके फूल पीले और प्याले के आधार के होते हैं, फूलों के झड़ जाने के बाद कंटीले बीज कोश रह जाते हैं, डंठलों और पत्रों से एक प्रकार का पीला रस निकलता है जो आँख के रोगों के लिए उपयोगी माना जाता है, यह पौधा उजाड़ स्थानों पर अपने आप उगता है, भड़भाड़, स्वर्णक्षीरी।

घमीला वि. (देश.) घाम खाया हुआ, घाम या धूप लगने से मुरझाया हुआ।

घमौरी स्त्री. (देश.) अम्हौरी, घमोरी, गरमी के कारण शरीर में नकली छोटी-छोटी फुंसियाँ।

घर पुं. (तद्.) मनुष्यों के रहने का स्थान, मकान, आवास स्थान मुहा. अपना घर समझना- आराम की जगह समझना; घर उजड़ जाना- बरबाद हो जाना; घर करना- बसना (पत्नी भाव से किसी के साथ रहना); घर का आदमी- अपने कुटुंब का प्राणी; अच्छे घर का- समृद्ध कुल का; घर का चिराग- दे. घर का उजाला; घर का चिराग गुल होना- सर्वनाश होना; घर का न घाट का-जिसके रहने का कोई निश्चित स्थान न हो; घर बंद होना- ताला लगना; घर बेचिराग होना- नामलेवा न रह जाना।